ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:13.08.2024

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2024-08-13 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	14/08/2024	15/08/2024	16/08/2024	17/08/2024	18/08/2024
वर्षा (मीमी)	15.0	15.0	8.0	8.0	8.0
अधिकतम तापमान(से.)	34.0	33.0	33.0	32.0	32.0
न्यूनतम तापमान(से.)	26.0	25.0	25.0	25.0	25.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	90	90	85	80	80
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	65	65	65	60	60
हवा की गति (किमीप्रतिघंटा)	12	12	8	10	12
पवन दिशा (डिग्री)	90	90	130	130	90
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	8	8	8	8

समसारांश / चेतावनी:

पिछले सप्ताह (6 से 12 अगस्त), इस क्षेत्र में 145.2 मिमी बारिश हुई, जिसमें अधिकतम न्यूनतम तापमान क्रमश: 28.0 से 32.1oC और 24.6 से 26.1oC के बीच रहा। सुबह और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता क्रमशः 89-97% और 71-93% के बीच थी, जबकि उत्तर-उत्तर-पूर्व और पूर्व से 5.8-7.9 किमी प्रति घंटे की गति से हवा चली। पिछले सप्ताह ज्यादातर दिन बारिश के दिन थे और आसमान में ज्यादातर बादल छाए हुए थे। आगामी पूर्वानुमान से पता चलता है कि 13-17 अगस्त तक 8-15 मिमी की हल्की वर्षा होगी और अधिकतम न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.0-34.0oC और 25.0-26.0oC के बीच रहने की संभावना है। 8-12 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पूर्व और दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की उम्मीद है। 13 से 17 अगस्त को अधिकांश स्थानों पर हल्की वर्षा होने की संभावना है। 13 से 17 अगस्त के लिए अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा/आंधी के साथ बिजली/तीव्र से बहुत तीव्र बारिश होने के बारे में पीली चेतावनी दी गई है।

सामान्य सलाहकार:

क्षेत्र में मौसम की स्थिति के बारे में नियमित अपडेट के लिए, किसान "मेघदूत" ऐप से अपडेट प्राप्त कर सकते हैं और गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) पर उपलब्ध "दामिनी" ऐप से बिजली की स्थिति के बारे में अपडेट प्राप्त कर सकते हैं। एनडीवीआई राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में 0.20-0.35 के बीच अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 09.08.2024 से 15.08.2024 के दौरान सामान्य वर्षा, सामान्य से नीचे अधिकतम और न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, हल्की वर्षा की भविष्यवाणी की गई है, इसलिए किसान तदनुसार बुवाई, छिड़काव और यूरिया टॉप ड्रेसिंग का समय निर्धारित कर सकते हैं।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	वानस्पतिक	धान के खेत की निराई 20-40 दिनों के अंतराल पर की जा सकती है। खेत में उचित जल निकासी बनाए रखी जानी चाहिए और नमी की अनुकूल परिस्थितियों में खरपतवार नाशक का उपयोग किया जा सकता है। मिट्टी में नमी की उचित स्थिति में यूरिया की टॉप ड्रेसिंग की जानी चाहिए। पूर्वानुमान के अनुसार खेती की सभी गतिविधियों को निर्धारित किया जाना चाहिए।
गन्ना	वानस्पतिक	आवश्यकताअनुसार फसल की दूसरी बंधाई कर लेनी चाहिए और वह पहली बंधाई के 50 से मी ऊपर होनी चाहिए। दो पंक्तियों के तीन थानों की बंधाई एक साथ (कैंची बंधाई) कर लेनी चाहिए। जल भराव की स्थिति में उचित जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए और खेती संभंधित सारी गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
खरीफ मक्का	अंकुरण/ वानस्पतिक	मक्का के लिए कम से कम दो बार निराई-गुड़ाई की जरूरत होती है, पहली 20 दिनों के अंतराल पर और दूसरा 35 दिन के अंतराल पर। मक्का के 2 फीट लंबा हो जाने पर यूरिया की टॉपड्रेसिंग करें। मैदानी क्षेत्रों में फॉल आर्मी वर्म के नुकसान से बचने के लिए क्लोरान्ट्रानीलीप्रोले 18.5 एससी का 0.4 मिली/लीटर पानी की दर से छिड़काव करना चाहिए। रासायनिक छिड़काव और कृषि कार्य, पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किए जाने चाहिए।
मूंग/उर्द	बुवाई	दलहनी फसल की बुवाई अगस्त के मध्य तक पूरी कर लेनी चाहिए। पहले से बोई गई फसल में नियमित रूप से निराई-गुड़ाई एवं विरलीकरण का काम किया जाना चाहिए। खेत में उचित जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए और खेती के सभी कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किए जाने चाहिए।
मूंगफली	वानस्पतिक	मूंगफली में बुवाई के 15 -20 दिनों के अंतराल पे निराई कर लेनी चाहिए और खरपवारों को रासायनिक विधि से नष्ट करने के लियेलिए पेंडीमिथलीन 30 ई. सी., 3. 3 ली. या एलाक्लोर 50 ई. सी. की 4 ली. मात्रा को 500 -700 लीटर पानी मे घोलकर बुवाई के बाद और खरपतवारों के जमाव से पूर्व छिड़कना चाहिए। जिप्सम की शेष मात्रा तथा बोरेक्स की सम्पूर्ण मात्रा फसल की 3 सप्ताह की अवस्था में टॉप ड्रेसिंग के रूप में बिखेर कर प्रयोग करें तथा हल्की गुड़ाई करके 3 -4 से मी गहराई तक मिट्टि में भली प्रकार मिला ले। कोई भी रासायनिक छिड़काव तथा खेती गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।
तिल	बुवाई	फसल में निराई-गुड़ाई की जानी चाहिए और मिट्टी की नमी की अनुकूल परिस्थितियों में यूरिया की टॉप-ड्रेसिंग की जानी चाहिए। पूर्वानुमान के अनुसार खेती की सभी गतिविधियाँ निर्धारित की जानी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
टमाटर	वानस्पतिक/ फल बनना	पके हुए टमाटरों की नियमित रूप से तुड़ाई करें और खरीद के लिए भेजें। पके हुए टमाटर के फलों में रासायनिक प्रयोग न करें। फैलने वाले टमाटर के पौधों में वर्षा के बाद रोग लगने की संभावना रहती है इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दें और रस-चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए सर्वद्देशीय कीटनाशकों का छिड़काव करें। झुलसा रोग के प्रकोप से बचाव के लिए मैंकोजेब 2.5 ग्राम/ लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम/लीटर को पानी में घोलें और छिड़काव करें। किसान भाइ ध्यान रखें कि छिड़काव मौसम के पूर्वानुमान को देखते हुए करना चाहिए।
गोभी	रोपाई	फूलगोभी की मध्य मौसम की किस्मों को प्रत्यारोपित किया जा सकता है और शुरुआती किस्मों में नियमित निराई की जानी चाहिए। खेती की सभी गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
कद्दु वर्गीय फसलों	तुड़ाई करना/फल बनना	कद्दु वर्गीय फसलों की पत्तियो पर अनियमित आकार में पीले धब्बे दिखाई पड़ने पर पत्तियो को उलटकर निरीक्षण करें यदि निचली सतह पर हल्के धूसक रंग की फॅफूदी की बढ़वार दिखाई दे तो नियत्रंण के लिए मेन्कोजेब 2.5 ग्रा0/ली0 की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। खेत में उचित जल निकासी बनाए रखी जानी चाहिए। रसायनों का छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें। पके हुए कद्दू वर्गीय फलों को तोड़ा जाना चाहिए और अच्छी तरह से संग्रहित किया जाना चाहिए।
आम	बुवाई	आम के बीज/गुठली की बुवाई का कार्य अगस्त के पहले पखवाड़े में जारी रखना चाहिए। एक साल पुराने अंकुर के पौधे को किसी अन्य स्थान पर रोपने के बाद उसकी ग्राफ्टिंग की जानी चाहिए। पूर्वानुमान के अनुसार खेती की गतिविधियों को निर्धारित किया जाना चाहिए।
अमरूद	ग्राफ्टिंग	अमरूद के पौधों की ग्राफ्टिंग जारी रखें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय/ भैंस	पानी के कारण फैलने वाली बीमारियों को रोकने के लिए पशुओं को दिए जाने वाले पानी की नियमित जांच की जानी चाहिए। इससे बचने के लिए संग्रहित पानी में 1:1000 अनुपात में लाल दवा जैसी जीवाणुनाशक दवाओं का उपयोग करें। ब्लीचिंग पाउडर/क्लोरीन का भी उपयोग किया जा सकता है। 'फूटरॉट ' रोग को रोकने के लिए, खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम के समय 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन घोल या 5% नीले थोथे में डुबोया जाना चाहिए।